



## नाटो में शामिल होने के लिये यूक्रेन का प्रयास

[drishtiias.com/hindi/printpdf/ukraine-bid-to-join-nato](http://drishtiias.com/hindi/printpdf/ukraine-bid-to-join-nato)

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (North Atlantic Treaty Organization/NATO) में यूक्रेन की सदस्यता हेतु तेज़ी से पहल करने का आग्रह किया।

यूक्रेन को इस साल नाटो सदस्यता कार्य योजना (**Membership Action Plan**) में शामिल होने के लिये आमंत्रित किये जाने की उम्मीद है।

### प्रमुख पहल

#### यूक्रेन का नाटो में शामिल होने का कारण:



- यूक्रेन का मानना है कि नाटो में शामिल होना ही रुस समर्थक अलगाववादियों से निपटने का एकमात्र उपाय है।
- दोनों देशों (यूक्रेन और रुस) की सीमा पर सैन्य झड़पों में वृद्धि हुई है, जिसका फायदा उठाकर पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादियों द्वारा संघर्ष को तेज़ किये जाने की आशंका है।
- यूक्रेन ने रुस पर अपनी उत्तरी और पूर्वी सीमाओं के साथ-साथ **क्रीमिया प्रायद्वीप** (वर्ष 2014 से रुस के कब्जे में) पर हजारों सैन्य कर्मियों को तैनात करने का आरोप लगाया।

- यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों ने रूस की इस कार्रवाई की निंदा करते हुए उसे चेतावनी दी है।  
भारत क्रीमिया में रूस के हस्तक्षेप को लेकर पश्चिमी शक्तियों द्वारा की जाने वाली निंदा में शामिल नहीं हुआ और इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से कुछ कहने से बचता रहा है।

### उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के विषय में:

- नाटो की स्थापना 4 अप्रैल, 1949 को संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और कई पश्चिम यूरोपीय देशों द्वारा सोवियत संघ के विरुद्ध सामूहिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक **सैन्य संगठन** के रूप में (जिसे **वाशिंगटन संधि** भी कहा जाता है) की गई थी।
- इसका मुख्यालय ब्रुसेल्स, बेल्जियम में है।
- संधि के एक प्रमुख प्रावधान (तथाकथित अनुच्छेद 5) में कहा गया है कि यदि यूरोप या उत्तरी अमेरिका में संगठन के किसी सदस्य पर हमला किया जाता है, तो इसे सभी सदस्यों पर हमला माना जाएगा। इसने प्रभावी रूप से पश्चिमी यूरोप को अमेरिका के "परमाणु छत्र" के तहत रखा है।  
नाटो ने केवल 12 सितंबर, 2001 को अमेरिका में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर 9/11 के हमलों के बाद अनुच्छेद 5 को एक बार लागू किया था।
- नाटो का संरक्षण सदस्य देशों के गृह युद्ध या आंतरिक तख्तापलट तक नहीं है।
- इस संगठन में 30 मार्च, 2021 तक कुल 30 सदस्य देश शामिल हैं, उत्तरी मैसेडोनिया (वर्ष 2020) इस संगठन में शामिल होने वाला सबसे नवीनतम सदस्य है।

### सदस्यता कार्ययोजना

- यह नाटो गठबंधन में शामिल होने के इच्छुक देशों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप सलाह, सहायता और व्यावहारिक समर्थन देने वाला कार्यक्रम है।
- इसमें भागीदारी भविष्य की सदस्यता पर गठबंधन द्वारा किसी भी निर्णय को पूर्व निर्धारित नहीं करती है।
- इसमें वर्तमान में बोस्निया और हर्ज़ेगोविना भाग ले रहे हैं।

### स्रोत: द हिंदू